भीषण सड़क हादसा: 18 दिन पहले दो सगी बहनों से ब्याहे

दो सगे भाइयों की मौत, महिला घायल

मातम में बदलीं खुशियां: मैहर बाईपास पर तेज रफ्तार अभय ट्रेवल्स की बस ने बाइक को मारी टक्कर; शव सड़क पर रख परिजनों ने सेमरिया चौक पर किया चक्काजाम,बसों में तोड़फोड़

सतना।

एक बेहद हृदयविदारक खबर सामने आई है,जहां कोलगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां पलभर में छीन लीं।महज 18 दिन पहले दो सगी बहनों के साथ विवाह बंधन में बंधे दो सगे भाइयों की बस की टक्कर से मौत हो गई। इस भीषण दुर्घटना में बाइक पर सवार उनकी भाभी गंभीर रूप से घायल हो गईं,जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद जहां पूरे गांव और परिवार में कोहराम मच गया,वहीं आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शवों को सड़क पर रखकर सेमरिया चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन और चक्काजाम किया।

इलाज कराने जा रहे थे अस्पताल,रास्ते में काल बनी बस

जानकारी के अनुसार,चकदही निवासी विवेक यादव (25 वर्ष) और उनके छोटे भाई विनय यादव (24 वर्ष) शनिवार सुबह करीब 10 बजे अपनी बाइक से सतना आ रहे थे। वे अपनी भाभी वंदना यादव को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। इसी दौरान सतना-मैहर बाईपास स्थित उतैली मोड़ के पास मैहर की ओर जा रही अभय ट्रेवल्स की बस ने उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि विवेक यादव की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई,जबकि गंभीर रूप से घायल विनय ने रीवा मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे में घायल महिला का उपचार जारी है।

12 मई को एक ही घर से उठी थी दोनों भाइयों की बारात

इस घटना ने जिसने भी सुना,उसकी आंखें नम हो गईं। मृतक विवेक और विनय की शादी बीते 12 मई को उचेहरा क्षेत्र की दो सगी बहनों से हुई थी। दोनों भाइयों की बारात एक साथ एक ही घर गई थी और पूरा परिवार अभी शादी के जश्न और खुशियों में डूबा हुआ था।लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था; शादी के महज 18 वें दिन दोनों मांग उजड़ गईं और खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं। घटना की सूचना मिलते ही मर्चुरी के बाहर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद खुला जाम

चक्काजाम और तोड़फोड़ की सूचना मिलते ही एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया,सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह और कोलगवां थाना प्रभारी (टीआइ) सुदीप सोनी समेत शहर के तीनों थानों का भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों को ढांढस बंधाया और उचित कानूनी कार्रवाई व मुआवजे का आश्वासन दिया। काफी देर तक चली संवेदनशील वार्ता और समझाइश के बाद परिजन शांत हुए,जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ और मार्ग पर यातायात बहाल कराया जा सका।

चालक फरार,बस जब्त

पुलिस के मुताबिक,हादसे को अंजाम देने के बाद अभय ट्रेवल्स का बस चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करवा दिया है और फरार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सड़क दुर्घटना के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार बसों के आतंक और सड़क सुरक्षा के दावों पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

शव रखकर सेमरिया चौक पर चक्काजाम,बसों पर पथराव

घटना के बाद आक्रोश इस कदर भड़का कि पोस्टमार्टम के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जिला अस्पताल से शवों को वाहन में रखकर सीधे सेमरिया चौराहे (बस स्टैंड मार्ग) पर लाकर रख दिया और चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ का गुस्सा फूट पड़ा और कुछ असमाजिक तत्वों व आक्रोशित लोगों ने वहां से गुजर रही बसों पर पथराव कर दिया,जिससे वाहनों के कांच टूट गए। कानून-व्यवस्था बिगड़ती देख पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभाला और पथराव करने वाले कुछ उपद्रवियों को हिरासत में लिया।

खबर संक्षेप

30 वर्ष 9 माह की सेवा के बाद मोहन लाल दाहिया सेवानिवृत्त, भावभीनी विदाई

सतना। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 30वर्ष 9 माह की उत्कृष्ट सेवाएं देने के बाद मोहन लाल दाहिया सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना की। श्री दाहिया ने अपने लंबे सेवाकाल में सबस्टाफ (चतुर्थ श्रेणी) से सहायक प्रशासनिक अधिकारी तक का प्रेरणादायक सफर तय किया।उन्होंने निवाड़ी,रीवा,सतना एवं अमरपाटन सहित विभिन्न शाखाओं में सेवाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह में वक्ताओं ने मोहनलाल दाहिया के उत्कृष्ट कार्य, अनुशासन,ईमानदारी और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका सेवाकाल सभी कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। इस दौरान उन्हें फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया एवं स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शाखा प्रबंधक पारस शुक्ला,प्रशासनिक अधिकारी रामकरण दाहिया, राम प्रसाद प्रजापति,नीलम गर्ग,संगीता यादव,अध्यसरण त्रिपाठी,विनोद सोधिंया,धर्मेंद्र सिंह बघेल एवं सुमित नगरथ सहित परिवारजनों व अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

लोक सेवा गारंटी में लापरवाही: मैहर नगर पालिका सीएमओ पर कलेक्टर ने लगाया जुर्माना

मैहर। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत तय समय-सीमा के भीतर जनता को सेवाएं प्रदान न करने पर मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर ने मैहर नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) पर आर्थिक दंड (जुर्माना) अधिरोपित किया है। यह कार्रवाई योजना,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत आने वाले 'विवाह पंजीयन' के एक आवेदन का समय पर निराकरण न करने के कारण की गई है,जिसकी अंतिम तिथि 4 मई 2026 थी। ऑनलाइन समीक्षा के दौरान यह गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद कलेक्टर ने इसे मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम-2010 की धारा 7(1)(क) का उल्लंघन माना। इससे पहले भी 17 अप्रैल को एक अन्य मामले में अधिकारी को चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद डिजिटल सिग्नेचर मैपिंग न कराने और लापरवाही बरतने पर 250 रुपए प्रतिदिन की दर से जुर्माना लगाया गया है और राशि साइबर ट्रेजरी में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदूषण के बढ़ते स्तर से खतरे में मैहर की जनता, पारदर्शी जांच की मांग

मैहर। हाल ही के एक सर्वेक्षण में मैहर में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ा हुआ पाया गया है,जिसने स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। क्षेत्र में स्थित सीमेंट प्लांटों,स्टोन क्रेशरों,औद्योगिक इकाइयों,डामर प्लांटों, खदानों और सड़कों पर दौड़ते ओवरलोड वाहनों के कारण वायु गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। इस बढ़ते प्रदूषण की वजह से स्थानीय नागरिक सांस और आंखों की गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति सीमेंट प्लांट वाले इलाकों की है,जहाँ ओवरलोड वाहनों के कारण सड़कें जर्जर हो चुकी हैं और उनसे उठने वाला धूल का गुब्बार खेतों की फसलों और ग्रामीणों के घरों पर जम रहा है। जनता का आरोप है कि प्रदूषण मापने वाले एक्यूआई यंत्रों को सही और वास्तविक औद्योगिक क्षेत्रों में नहीं लगाया गया है।

नियम-कानून ताक पर: मझगवां, बरौंधा और पेंड्रा में आबकारी नियमों की उड़ रही धज्जियां

ममता मोहल्ले से लेकर जनपद और स्कूल के सामने तक सरेआम खुल रही शराब की दुकानें; रसूख के आगे प्रशासन मौन

सतना।

एक तरफ सरकार प्रदेश भर में नशा मुक्ति और जागरूकता अभियान चलाकर समाज को सुधारने का दावा कर रही है,वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। मझगवां,बरौंधा और पेंड्रा क्षेत्र में एक ही रसूखदार ठेकेदार के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है। रसूख और दबंगई के दम पर न केवल रिहायशी इलाकों में,बल्कि बच्चों के भविष्य (स्कूल) और शासकीय परिसरों के ठीक सामने शराब की दुकानें संचालित की जा रही हैं।

ममता मोहल्ला दहशद में,स्कूल और जनपद कार्यालय के सामने लग रही शराबियों की कतार

स्थानीय निवासियों से मिली जानकारी के अनुसार,क्षेत्र के ममता मोहल्ले में जनभावनाओं और विरोध को दरकिनार कर शराब की दुकान खुली रखी गई है,जिससे स्थानीय परिवारों और महिलाओं का जीना मुहाल हो गया है।हद तो तब हो गई जब जनपद पंचायत मुख्यालय और ठीक उसके सामने स्थित विद्यालय (स्कूल) की गरिमा को भी ठेकेदार ने नहीं बख्शा। संदीप नाम के युवक के विद्यालय के ठीक सामने आबकारी नियमों को ठेंगा दिखाते हुए शराब बेची जा रही है। ऐसे में स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं पर इसका क्या असर पड़ रहा होगा,इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

नियम क्या कहते हैं?

आबकारी नियमों के अनुसार,किसी भी शराब दुकान या उप-दुकान को धार्मिक स्थलों,शैक्षणिक संस्थानों (स्कूल/कॉलेज) और मुख्य रिहायशी बस्तियों से एक निश्चित दूरी पर ही खोला जा सकता है। लेकिन यहाँ सारे नियम रसूख की भेंट चढ़ चुके हैं।

14 पंचायतों में 'पैकारी' का जाल: गांव-गांव पहुंच रही अवैध शराब

सूत्रों का दावा है कि इस क्षेत्र की लगभग 14 ग्राम पंचायतों में सरकारी ठेके की आड़ में अवैध 'पैकारी' (गांव-गांव अवैध रूप से शराब सप्लाई करना) का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। आरोप है कि स्थानीय आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन इस पूरे खेल को देखकर भी अनजान बने हुए हैं। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि ठेकेदार की दबंगई और कथित 'साठगांठ' के चलते मुख्यालय से लेकर सुदूर गांवों तक शराब की अवैध खेप रोजाना पहुंचाई जा रही है।

सरकार की मंशा पर उठ रहे गंभीर सवाल

यह स्थिति सरकार की कथनी और करनी पर भी एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। एक तरफ मंचों से नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया जाता है,तो वहीं दूसरी तरफ गांवों में अवैध शराब की पैकारी पर रोक लगाने में शासन-प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। सबसे गंभीर विषय यह है कि इस संबंध में पहले भी खबरें प्रकाशित और प्रसारित की जा चुकी हैं,लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी है।

जिला अस्पताल की सुरक्षा तार-तार: फिल्मी स्टाइल में वार्ड नंबर 10 तक बाइक लेकर पहुंचा युवक, मरीजों में दहशत

भारी-भरकम सुरक्षा अमले को ठेंगा दिखाकर पहली मंजिल पर चढ़ाई मोटर साइकिल; अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा ठेकेदार की घोर लापरवाही उजागर

सतना।

सरदार वल्लभभाई पटेल जिला अस्पताल से एक बेहद सनसनीखेज और सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाली खबर सामने आई है। अस्पताल परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया और लोग दहशत में आ गए,जब एक युवक फिल्मी अंदाज में अपनी मोटरसाइकिल दौड़ाते हुए सीधे अस्पताल की पहली मंजिल पर स्थित वार्ड नंबर 10के अंदर पहुंच गया। युवक जितनी तेजी से गाड़ी ऊपर ले गया,उतनी ही बेखौफ शैली में बाद में बाइक नीचे उतारकर चलता बना। इस वाकये का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब अस्पताल प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था तीखे सवालों के घेरे में है।

सुरक्षा गाड्र्स की मुस्तैदी पर उठे बड़े सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिला अस्पताल में 24घंटे सुरक्षा गाड्र्स की तैनाती का दावा किया जाता है,फिर भी इतना बड़ा वाकया कैसे घटित हो गया? क्या मुख्य द्वार और रैंप पर तैनात गार्ड अपनी ड्यूटी से नदारद थे? प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,युवक को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह लापरवाही इसलिए भी गंभीर है क्योंकि अस्पताल में अक्सर गंभीर मरीज,व्हीलचेयर और स्ट्रेचर का आवागमन होता है। ऐसे में कोई भी बड़ी दुर्घटना घट सकती थी और मरीजों की जान पर बन सकती थी।

अफसरों की नाक के नीचे लापरवाही

चौंकाने वाली बात यह है कि जिला अस्पताल परिसर में ही 'अस्पताल पुलिस चौकी' स्थित है। इसके अलावा,सिविल सर्जन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जैसे जिले के आला स्वास्थ्य अधिकारी नियमित रूप से यहीं बैठते हैं। इतने बड़े पदों और जिम्मेदारियों के बावजूद,अफसरों की नाक के नीचे इस तरह की अराजकता सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। अस्पताल के गलियारों में चर्चा है कि सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले ठेकेदार की मनमानी के आगे जिला अस्पताल के अधिकारी भी नतमस्तक नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि पहले भी ऐसी छिटपुट घटनाएं होने के बावजूद कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया।

इन सुलगते सवालों के घेरे में अस्पताल प्रबंधन

सुरक्षा में सेंध क्यों? दर्जनों गाड्र्स की मौजूदगी और लाखों के सुरक्षा बजट के बाद भी एक बाइक सीधे वार्ड तक कैसे पहुंच गई? मरीजों की सुरक्षा का क्या? वार्ड नंबर 10 में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों में इस घटना से भारी खौफ है। अगर कोई अनियंत्रित होकर बाइक किसी मरीज पर चढ़ा देता,तो इसका जिम्मेदार कौन होता? कार्रवाई कब होगी? क्या इस घोर लापरवाही के लिए सुरक्षा ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा या दोषी गाड्र्स पर कोई दंडात्मक कार्रवाई होगी? फिलहाल,इस पूरी घटना ने जिला अस्पताल प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि मामले को हमेशा की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है या फिर वरिष्ठ अधिकारी जागेंगे और सुरक्षा ठेकेदार सहित दोषी कर्मियों पर कोई ठोस कार्रवाई की जाएगी।

इटौली में श्रीमद्भागवत कथा का हो रहा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिलौड़ी

सिलौंडी क्षेत्र के ग्राम इटोली में 24 से 31 मई तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन ग्राम वासियों के सहयोग से करवाया जा रहा है। कथा का वाचन बरौंधा से पधारे महाराज मृत्युंजय चतुर्वेदी के द्वारा किया जा रहा है। कथावाचक के द्वारा भगवान श्री कृष्ण और रूक्मणी विवाह की कथा को का प्रसंग सुनाया गया। संगीतकारों ने धार्मिक गीतों पर प्रस्तुति दी।

संध्या आरती के बाद क्षेत्र वासियों के आस्था का केंद्र श्री सिद्धन धाम लोढ़ा पहाड़ आश्रम से महंत सीतारामशरण का कार्यक्रम में आगमन हुआ। महंत का बैंड बाजे कलश यात्रा के साथ स्वागत वंदन किया गया। भक्तों ने महंत का पूजन अर्चन किया। तत्पश्चात महंत ने सीताराम संकीर्तन का गायन करते हुए भक्तों को बताया कि जन्म जन्मांतर के पुण्य प्रताप उदय होने के बाद अधिक मास जैसे पावन पर्व पर भागवत कथा का वाचन और श्रवण करने का सौभाग्य ग्रामवासियों को प्राप्त हुआ है। लगातार गांव में जिस प्रकार से हर वर्ष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवाया जा रहा है वह सराहनीय है और कथा का वाचन करने वाले भी विद्वान है।

कथावाचक गुरुदेव ने भी महंत की प्रशंसा करते हुए बताया कि जिस प्रकार से लगातार आपकी कथाओं के माध्यम से धर्म का प्रचार हो रहा है और हमारे इस कार्यक्रम में भगवान के जन्म के एक दिन पहले पहले संतश्री का आगमन होने पर यह प्रतीत होता है कि यह अनुष्ठान पूर्ण रूप से सफल हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने पर मिलेंगे 25 हजार रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

सड़क पर किसी घायल की तड़पती जिंदगी को बचाने के लिए बढ़ाया गया एक हाथ अब केवल इंसानियत की मिसाल ही नहीं बनेगा, बल्कि शासन द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं में समय पर उपचार उपलब्ध कराने और आमजन को निसंकोच मदद के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से लागू की गई "राहवीर योजना" मानवता और संवेदनशीलता की नई पहचान बनकर उभर रही है।

योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को दुर्घटना के बाद "गोल्डन ऑवर" यानी पहले एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो उसे शासन द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। दरअसल, कई बार सड़क हादसों में घायल लोग केवल इसलिए समय पर इलाज नहीं पा पाते क्योंकि राहगीर पुलिस कार्रवाई, पूछताछ या कोर्ट-कचहरी के झंझट के डर से मदद करने से बचते हैं। लेकिन अब शासन ने साफ कर दिया है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पुलिस द्वारा किसी प्रकार की अनावश्यक पूछताछ या परेशान नहीं किया जाएगा। यही वजह है कि "राहवीर योजना" लोगों में भरोसा और संवेदनशीलता दोनों बढ़ा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी दौरान यदि घायल को त्वरित चिकित्सा मिल जाए तो उसकी जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसी महत्वपूर्ण समय को "गोल्डन ऑवर" कहा जाता है। शासन की यह योजना उसी जीवनरक्षक समय को केंद्र में रखकर तैयार की गई है।

योजना में उन गंभीर दुर्घटनाओं को शामिल किया गया है जिनमें पीड़ित को बड़ी सर्जरी की आवश्यकता हो, कम से कम तीन दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़े, मस्तिष्क या रीढ़ की गंभीर चोट हो अथवा उपचार के दौरान मृत्यु हो जाए। ऐसे मामलों में यदि किसी राहगीर ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अस्पताल पहुंचाया है, तो वह शासन के पुरस्कार और सम्मान का पात्र होगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की मदद के लिए आगे आएं और मानवता का परिचय दें।

नीट पेपर लीक का विरोध: ट्रेन रोकने जा रहे युवक कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

मैहर।

देशव्यापी नीट परीक्षा पेपर लीक मामले के विरोध में शनिवार को मैहर में युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया और जिला अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों आक्रोशित युवा केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रेलवे स्टेशन की ओर बढ़े। पूर्व सूचना के कारण प्रशासन ने स्टेशन को छावनी में बदल रखा था। एसडीएम दिव्या पटेल और सीएसपी महेंद्र सिंह चौहान की मौजूदगी में भारी पुलिस बल ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोका,जिसके बाद पुलिस और युवाओं के बीच तीखी झड़प और धक्का-मुक्की हुई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदेश अध्यक्ष सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इससे पहले एक निजी होटल में 'युवा जनसंवाद' कार्यक्रम हुआ,जहाँ युवा नेता समर्पण शुक्ला के नेतृत्व में ढोल-नगाड़ों के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया गया था। यश घनघोरिया ने आरोप लगाया कि सरकार दोषियों को बचा रही है और कांग्रेस छात्रों के हक की लड़ाई संसद तक लड़ेगी।

बेनिसागर तालाब में तैरते मिले दो बच्चों के भ्रूण

पन्ना।

कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बेनिसागर तालाब में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ सुबह स्थानीय लोगों ने पानी में दो बच्चों के भ्रूण तैरते हुए देखे। इस अमानवीय घटना की खबर पूरे शहर में आग की तरह फैल गई, जिससे तालाब के पास भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। दोनों भ्रूणों के शव पानी में एक-दूसरे से लगभग 10-10 फीट की दूरी पर पाए गए।

मछली पकड़ने गए मछुआरे ने सबसे पहले देखा मंजर-

इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी उमेश रैकवार ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वे शनिवार सुबह हमेशा की तरह मछली पकड़ने के सिलसिले में बेनिसागर तालाब के पास गए थे। तभी हनुमान जी मंदिर के पास स्थित पानी की सतह पर उनकी नजर पड़ी। उन्होंने देखा कि कुछ दूरी पर दो बच्चों के भ्रूण तैर रहे हैं। इस खौफनाक मंजर को देखकर उन्होंने तुरंत शोर मचाया और आसपास के अन्य लोगों को इस बात की जानकारी दी। स्थानीय नागरिकों ने बिना समय गंवाए इसकी सूचना पन्ना कोतवाली पुलिस को दी।

पुलिस ने शवों को बाहर निकाला, जांच के लिए भेजा अस्पताल-

तालाब में भ्रूण मिलने की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों भ्रूणों के शवों को पानी से बाहर निकलवाया। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत मर्ग कायम कर दोनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया गया। मौके पर ही पंचनामा की वैधानिक कार्रवाई पूरी की गई। इसके बाद पुलिस ने दोनों भ्रूणों को सुरक्षित तरीके से पोस्टमार्टम और विस्तृत मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

अमानवीय कृत्य की निंदा, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस-

एक ही स्थान से एक साथ दो भूरणों के शव मिलने से पूरे इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने इस कृत्य को पूरी तरह से अमानवीय और क्रूर बताया है। पन्ना कोतवाली पुलिस ने इस गंभीर मामले में मुकदमा दर्ज कर अपनी तफ्तीश तेज कर दी है। पुलिस अब इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन भ्रूणों को तालाब में किसने और किन परिस्थितियों में फेंका था। इसके लिए आसपास के क्षेत्रों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

खबर संक्षेप

महिला ने लगाई फांसी

पन्ना। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पुरुषोत्तमपुर इलाके में शनिवार सुबह एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। यहाँ रहने वाली एक 45 वर्षीय महिला ने अपने ही घर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह-सुबह हुई इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। इस अप्रत्याशित हादसे के बाद से मृतका का पूरा परिवार गहरे सदमे और शोक में डूबा हुआ है।

पिछले तीन साल से चल रहा था मानसिक तनाव का इलाज- पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान शिवकुमारी राजपूत के रूप में की गई है। उनके पति कल्लू राजपूत ने बताया कि शिवकुमारी पिछले तीन साल से गंभीर मानसिक तनाव और अवसाद (डिप्रेशन) की समस्या से जूझ रही थीं। इस बीमारी के कारण वे काफी परेशान रहती थीं और उनका नियमित रूप से डॉक्टरी इलाज भी कराया जा रहा था। मानसिक अस्वस्थता के चलते ही उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

छप्पर के फंदे पर लटका मिला शव, रो-रोकर बुरा हाल- शनिवार सुबह जब परिजनों ने शिवकुमारी को घर के भीतर छप्पर में लगे फंदे से संदिग्ध अवस्था में लटका हुआ देखा, तो घर में कोहराम मच गया। इस दुखद हादसे के कारण शिवकुमारी अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। उनके पति कल्लू राजपूत पेशे से ऑटो चालक हैं। वे किराए का ऑटो चलाकर बेहद मुश्किल से अपने पूरे परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अपनी मां को हमेशा के लिए खो देने के बाद तीनों मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की वैधानिक जांच- घटना की सूचना स्थानीय नागरिकों द्वारा तुरंत पन्ना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की वैधानिक जांच शुरू कर दी है।

बिछड़ा 6 साल का मासूम, पुलिस ने 2 घंटे में खोजकर परिजनों को सौंपा

शाहनगर। शाहनगर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मैहर से लौटते समय शाहनगर मार्केट में बिछड़े 6 वर्षीय बालक को 2 घंटे के अंदर खोजकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के मुताबिक मलघन निवासी आशीष बसोर पिता बहादुर बसोर उम्र 6 साल अपनी मां मीना बसोर सहित परिजनों के साथ 29 मई की सुबह 9 बजे मां शारदा के दर्शन करने मैहर गया था। शाम को मैहर से दर्शन कर लौटते समय परिजन शाहनगर मार्केट में खरीदारी करने लगे। इसी दौरान आशीष मार्केट में परिजनों से बिछड़ गया। परिजन बिना ध्यान दिए घर मलघन पहुंच गए। घर पहुंचने पर जब आशीष नहीं दिखा तो परिजनों ने तुरंत शाहनगर थाने पहुंचकर सूचना दी। थाना प्रभारी ने तत्काल टीम गठित कर मार्केट व बस स्टैंड क्षेत्र में तलाश शुरू की। पुलिस को आशीष शाहनगर बस स्टैंड के पास रोता हुआ मिला। पुलिस ने बच्चे को थाने लाकर पूछताछ के बाद परिजनों को बुलाकर सुपुर्द कर दिया। बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने शाहनगर टीआई परशुराम डाबर, एएसआई संतोष मशराम, प्रधान आरक्षक सीआर, एसआर आरक्षक ब्रजभान बागरी और पायलट जय कुशवाहा सहित पुलिस टीम का आभार जताया।

जर्जर विद्युत लाइनें बनीं परेशानी का कारण

अमानगंज। अमानगंज क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में वर्षों पुरानी विद्युत लाइनें लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 1980 के आसपास खींची गई विद्युत लाइनें अब जर्जर हो चुकी हैं, जिसके चलते आए दिन बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। भीषण गर्मी के इस दौर में बार-बार बिजली गुल होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पगरा फीडर के अंतर्गत आने वाले करीब दो दर्जन गांवों की बिजली व्यवस्था मात्र दो कर्मचारियों के भरोसे संचालित हो रही है। लाइन में खराबी आने पर उसे सुधारने में काफी समय लग जाता है, जिससे कई गांवों में घंटों तक बिजली आपूर्ति बंद रहती है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने विभिन्न मुद्दों को लेकर कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो होगा बड़ा आंदोलन अनीश

पन्ना। जिला कांग्रेस कमेटी-पन्ना के अध्यक्ष अनीस खान ने 30 मई 2026 को एक पत्र जारी कर पन्ना जिले की अनेक ज्वलंत समस्याओं को लेकर प्रशासन के सामने रखा है। पत्र में अवैध शराब बिक्री, विकास कार्यों की अनदेखी, अघोषित बिजली कटौती और अवैध कॉलोनियों के मुद्दे प्रमुखता से उठाते हुए कलेक्टर की अनुपस्थिति में अपर कलेक्टर को पत्र देते हुए कहा कि तत्काल कार्रवाई की जाए। पत्र में अनेक बिंदुओं को शामिल किया गया है जिसमें मुख्य रूप से शहर में अवैध शराब होम डिलीवरी और मांस की दुकानें' लगातार संचालित है जिन पर कार्रवाई की जाए उन्होंने ने कहा कि वैध शराब दुकानें तो शहर की सीमा के बाहर कर दी गई हैं, लेकिन शहर के अंदर शराब की होम डिलीवरी धड़ल्ले से चल रही है। वहीं पहाड़ी खेरा रोड स्थित रामबाग मंदिर के पास मांस-मछली की दुकानें अवैध रूप से संचालित हो रही हैं।

नगर पालिका क्षेत्र में नए वार्ड बने उपेक्षा के शिकार- नगरपालिका सीमा विस्तार के बाद नए जुड़े वार्डों में विकास कार्य पूरी तरह ठप हैं। सड़क, शुद्ध पेयजल, स्ट्रीट लाइट, सफाई और नालियों के अभाव में स्थिति ष्नारकीयष बनी हुई है। जिला कांग्रेस ने जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। गर्मी में अघोषित बिजली कटौती से जनता परेशान' उक्त समस्या का तत्काल निराकरण किया जाए आरोप लगाया गया है कि भीषण गर्मी में विद्युत वितरण कंपनी बिना पूर्व सूचना के घंटों अघोषित कटौती कर रही है। शिकायत करने पर नागरिकों से अभद्र व्यवहार किया जाता है। साथ ही प्राइवेट कंपनियों द्वारा किसानों के खेत में बिना मुआवजे बिजली पोल लगाने का मुद्दा भी उठाया गया है।

जिले में अवैध कॉलोनियों का बोलबाला- जिला कांग्रेस ने कहा कि पूरे जिले में रेरा नियमों को ताक पर रखकर अवैध कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं। भू-माफिया बिना पानी, सड़क की सुविधा के प्लाट बेच रहे हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। इससे आम लोग फंस रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से मांग की है कि इन सभी मुद्दों पर तत्काल संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की जाए ताकि आम जनता को राहत मिल सके। ज्ञापन पत्र के दौरान अनेक लोग शामिल रहे जिसमें मुख्य रूप से संगठन महासचिव राज बहादुर पटेल उपाध्यक्ष शशीकांत दिक्षित अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष कादिर खान ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती रमा बुंदेला शिव प्रकाश दीक्षित मीडिया प्रभारी राकेश शर्मा प्रवक्ता दीपक तिवारी अंकित शर्मा मुस्ताक खान सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल रहे।

मनरेगा के तहत स्वीकृत कुआं जिसमें विगत 26 मई के दिन पांच मजदूरों की मौत होने से समूचे जिले से लेकर प्रदेश में मातम छाया रहा, जिम्मेदारों पर जिला पंचायत सीईओ ने की कार्यवाही

पन्ना।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास को लेकर ग्राम पंचायत प्रमुख रूप से कार्य एजेन्सी विकास को लेकर होती है। जहां ग्राम पंचायत में सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर जिम्मेदारी नियमानुसार कराये जाने को लेकर शासन की तरफ से पंचायत में पदस्थ सचिव एवं रोजगार सहायक तथा विकास कार्यों को लेकर स्टीमेंट बनाने के साथ-साथ कार्य की प्रगति व मूल्याकन तथा गुणवत्ता पूर्ववत कार्य किया जाये जिसकी जिम्मेदारी संबंधित पंचायत में पदस्थ उपयंत्री को लेकर तय होती है। यह अलग बात है कि उपयंत्री को कई पंचायतों की जिम्मेदारी जनपद पंचायत सीईओ के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। इस घटना में जहां सिस्टम की पोल भी जो खुली उस पर जिले के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी के द्वारा कलेक्टर पन्ना का अनुमोदन प्राप्त करते हुए जहां उपयंत्री आशीष विश्वकर्मा को नोटिज जारी करते हुए सेक्टर से हटाकर आर.ई.एस. में अटैच किया गया है। वहीं सचिव ग्राम पंचायत बीहर पुरवा बिहारी लाल पटेल को निलंबित किया गया है। वहीं जीआरएस सुखलाल पटेल की सेवायें समाप्त की गई।

जिले में विगत 26 मई का दिन कहीं न कहीं मातम को लेकर आया था। हृदय विदारक घटना जिले के अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बीहरपुरवा के ग्राम कड़रहा में मनरेगा योजना से स्वीकृत कुआं जिसमें पांच मजदूरों की मौत कुएं में मिट्टी धसने से हुई थी। जहां पूरा जिले के अमले से लेकर म.प्र. सरकार के मुखिया सीएम मोहन यादव ने भी इस घटना को ध्यान में रखते हुए तुरंत मृतकों की परिजनों को ढ़ांढस बंधाया तथा चार-चार रूपये स्वीकृति भी करने के लिए सरकार की तरफ से घोषित किया। वहीं जिला प्रशासन से लेकर संभागायुक्त तथा पन्ना विधानसभा के विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह तथा खजुराहो सांसद बी.डी. शर्मा वहीं जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार भी घटना स्थल पर पहुंचे। तथा परिजनों को दुख की घड़ी में साथ रहने का भरोसा दिलाया। वहीं जिला प्रशासन के मुखिया कलेक्टर पन्ना श्रीमती ऊषा परमार ने हर संभव मदद का भरोसा दिया। वहीं इस घटना को संज्ञान में लेते हुए जहां प्रथम दृष्टया सरपंच पति पर पुलिस प्रशासन के द्वारा कार्यवाही को अंजाम दिया गया वहीं विभागीय दायित्व के निर्वाहन में लापरवाही को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी ने उपयंत्री आशीष विश्वकर्मा को नोटिस जारी करते हुए आर.ई.एस. में अटैस किया सेक्टर से हटाया गया। वहीं ग्राम पंचायत सचिव बीहरपुरवा में पदस्थ बिहारी लाल पटेल का निलंबन भी किया गया। तथा पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायक सुखलाल पटेल की सेवाये समाप्त की गई है। इस तरह से जहां इस घटना में पांच मजदूरों की मौत असमायिक घटित होने से 26 मई का दिन मातम को लेकर जाना गया। साथ ही पंचायत जो प्रमुख रूप से ग्रामीण क्षेत्र में विकास के क्रियान्वयन को लेकर कार्य एजेन्सी के रूप में कार्य करती है आखिरकार लापरवाही को लेकर सिस्टम की पोल जो खुली वहीं इस घटना को संज्ञान में लेते हुए जिम्मेदारों पर कार्यवाही को अंजाम दिया गया है। तथा यह घटना सभी को प्रेरणा भी दे रही है कि पंचायत में ठेकेदारी की प्रथा को विराम लगाना लाजमी है। क्योंकि जहां पंचायत स्वयं एक कार्य एजेन्सी है फिर पेटीकॉन्टेक्ट के रूप में स्वयं मौखिक तौर पर बिना नियमों की कैसे कार्यों को ठेके में देने का कार्य करती है। आखिरकार सभी पंचायतों को कहीं न कहीं जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा निर्देशित किया जाये कि ठेकेदारी प्रथा जो पंचायत के माध्यम से कार्यों की कराये जाने को लेकर दिशा तय की गई उस पर विराम लगाया जाये।

श्रीमद्भागवत कथा में धूमधाम से मनाया गया भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, जय कन्हैया लाल के जयकारों से गूंजा कथा पंडाल

पवई।

शिव धाम कॉलोनी पवई में स्वर्गीय हरिप्रताप मिश्रा जी की पावन स्मृति में उनके चारों पुत्रों द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की मनोहारी झांकी, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की अपार आस्था ने पूरे वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। कथा वाचक द्वारा जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य अवतरण और जन्म की लीला का भावपूर्ण वर्णन किया गया, वैसे ही कथा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' तथा 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष लगाए। जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा और भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन करते हुए नृत्य किया तथा पुष्प वर्षा कर भगवान के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और भक्ति का प्रदर्शन किया। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों की उपस्थिति रही। सभी श्रद्धालु देर तक भक्ति संगीत और कृष्ण भजनों का आनंद लेते रहे। आयोजक परिवार द्वारा बताया गया कि स्वर्गीय हरिप्रताप मिश्रा जी की स्मृति में आयोजित यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का संदेश दे रहा है। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, धर्म, भक्ति एवं मानव कल्याण के संदेशों से अवगत कराया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि 03 जून, बुधवार को श्रीमद्भागवत कथा के समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक एवं धर्मप्रेमीजन बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करेंगे। धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में प्रमोद मिश्रा, अनिल मिश्रा, सुशील मिश्रा, विनोद मिश्रा, भतीजे अनुपम मिश्रा, राधेश्याम, माधव सहित समस्त मिश्रा परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन की व्यवस्थाओं में परिवार के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया, जिसके चलते कथा का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ संपन्न हो रहा है। शिव धाम कॉलोनी में चल रही इस संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण प्रदान किया है। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और गूंजते जयकारों ने आयोजन को यादगार बना दिया।

शाहनगर के जंगल में टिटहरी ने टैंक के बेड पर दिए 3 अंडे, वन कर्मियों ने देखा प्राकृतिक चमत्कार

लोक मान्यता सच साबित, किसान बोले - टिटहरी के 3 अंडे, तीन महीने होगी झमाझम बारिश

शाहनगर। शाहनगर वन परिक्षेत्र अधिकारी राजूल कटारे के मार्गदर्शन में वनकर्मियों की सघन गश्ती के दौरान सुगरहा कक्ष क्रमांक ट-1015 में टिटहरी के 3 अंडे और टिटहरी देखने को मिली। परिक्षेत्र सहायक शाहनगर रामसरोवन पाण्डेय, बीट गार्ड शाहनगर श्री ओमप्रकाश द्विवेदी, बीट गार्ड कुनिया रजनीश दुबे और बीट गार्ड सुगरहा राघवेंद्र पाण्डेय गश्ती दल में शामिल थे। परिक्षेत्र सहायक पाण्डेय ने बताया कि टिटहरी ने 29/05/2026 को बीट सुगरहा कक्ष क्रमांक ट 1015 में संयुक्त गस्ति के दौरान टिटहरी के अंडे एवं टिटहरी देखने को मिली ऐसी मान्यता है कि टिटहरी अपने अंडे, स्वयं के पूर्वानुमसार बारिश के पानी से सुरक्षातमक दृष्टि से चिन्हित स्थल पर अंडे देती है। टैंक के बेड में अंडे देना एवं आज से बच्चे निकलना इसका उदाहरण है।एक तरफ जहां ज्योतिषशास्त्री और मौसम विज्ञान के आंकड़ों से मौसम की भविष्यवाणी होती है, वहीं प्राकृतिक जीव-जंतु भी भविष्य की सूचनाएं देने में पीछे नहीं हैं।लोकमान्यता के अनुसार टिटहरी का अंडे देना बारिश के लिहाज से शुभ संकेत माना जाता है। ग्रामीण मानते हैं कि टिटहरी जितने अंडे देती है, उतने ही महीने में बारिश होती है। साथ ही अगर ऊंचाई पर अंडे दिए हैं तो बारिश के आसार और भी बढ़ जाते हैं। टिटहरी ही एकमात्र ऐसा पक्षी है जो गर्मी के दिनों में मानसून आने से पहले अंडे देती है। इससे किसान मानसून के प्रकार का अंदाजा लगा लेते हैं। सदियों से किसान बारिश होने या न होने का अनुमान टिटहरी से लगाते आ रहे हैं और यह अनुमान काफी हद तक सटीक बैठता है।

पिपरवाह पुलिया के पास मिट्टी से लदा ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटा, चालक बाल-बाल बचा

अमानगंज। शनिवार सुबह करीब 10 बजे पिपरवाह पुलिया के पास मिट्टी से लदा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक सुरक्षित बच गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार अमानगंज का ट्रैक्टर पिपरवाह हार से ईंट निर्माण के लिए मिट्टी लेकर जा रहा था। इसी दौरान पुलिया के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रॉली में मिट्टी भरी हुई थी। दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि वाहन को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों की मदद से पलटे वाहन को हटाने का प्रयास किया गया। चालक के सुरक्षित होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज में मनाया गया महावारी स्वच्छता दिवस

अमानगंज।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज में महावारी स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं इससे जुड़े मिथकों को दूर करना रहा। कार्यक्रम में बीएमओ डॉ. जयपाल अहिरवार, डॉ. विकेश पाठक, डॉ. ज्योति शुक्ला, बीसीएम संजय त्रिपाठी, बीपीएम रावेन्द्र त्रिपाठी, परामर्शदाता श्रीमती आरती नामदेव, स्टाफ नर्स श्रीमती विनीता पीटर सहित अस्पताल स्टाफ एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा रंगोली एवं पेंटिंग के माध्यम से माहवारी स्वच्छता का संदेश दिया गया। साथ ही किशोरियों को स्वच्छता, संतुलित आहार, सैनिटरी पैड के सही उपयोग एवं सुरक्षित निपटान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

छतरपुर में कस्टोडियल डेथ मामलों पर हाईकोर्ट सख्त, पुलिस अधिकारियों को जारी किए नोटिस

छतरपुर। जिले के विभिन्न थानों में पिछले दो महीनों के दौरान पुलिस हिरासत में हुई चार संदिग्ध मौतों के मामलों को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। जबलपुर स्थित हाईकोर्ट की डबल बेंच ने राज्य सरकार, गृह विभाग और संबंधित पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। साथ ही संबंधित थानों के सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए हैं।यह जनहित याचिका संविधान के अनुच्छेद-226 के तहत सामाजिक कार्यकर्ता पीयूष दीक्षित द्वारा दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि छतरपुर जिले के अलग-अलग थानों में हिरासत के दौरान चार युवकों की मौत हुई, जो किसी एकल घटना के बजाय एक सिस्टमिक पैटर्न को दर्शाती हैं। याचिका में डी.के. बसु गाइडलाइन तथा संविधान के अनुच्छेद-21 के उल्लंघन का भी उल्लेख किया गया है।मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक जैन एवं जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की खंडपीठ ने डीजीपी भोपाल, आईजी सागर, एसपी छतरपुर, थाना प्रभारी राजनगर, कोतवाली छतरपुर, चंदला और गौरिहार को नोटिस जारी किए हैं। हाईकोर्ट ने चारों मामलों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को निर्धारित की गई है। याचिका में चारों मौतों की निष्पक्ष जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज करने तथा सभी साक्ष्यों को तत्काल संरक्षित करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के.सी. घिल्डियाल और अधिवक्ता जितेंद्र कुमार दीक्षित ने पक्ष रखा। याचिका में यह भी सवाल उठाया गया है कि पुलिस हिरासत और हवालात जैसी सुरक्षित जगहों पर आरोपियों तक जहर या फांसी लगाने के साधन आखिर कैसे पहुंचे। याचिका के अनुसार, चारों मामलों में पुलिस का पक्ष यही रहा कि संबंधित आरोपियों ने आत्महत्या की या जहर खाकर जान दी। इस पर गंभीर संदेह व्यक्त करते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की गई है।वहीं राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली ने अदालत को बताया कि चार में से दो मामलों में न्यायिक जांच के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अब सभी की नजरें हाईकोर्ट में पुलिस विभाग द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले जवाब पर टिकी हैं।

विद्युत कर्मियों का सम्मान कर बढ़ाया मनोबल, मयंक डेवडिया की पहल

बड़ामलहरा। भीषण गर्मी के बीच लगातार विद्युत आपूर्ति बनाए रखने में जुटे विद्युत विभाग के कर्मचारियों के सम्मान में बड़ामलहरा के युवा व्यवसायी मयंक डेवडिया द्वारा एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्युत वितरण केंद्र बड़ामलहरा के समस्त कर्मचारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मयंक डेवडिया ने कहा कि वर्तमान में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। ऐसे कठिन समय में जहां लोग घरों में कूलर और पंखों की सहायता से गर्मी से राहत प्राप्त करते हैं, वहीं विद्युत विभाग के कर्मचारी तेज धूप और भीषण गर्मी के बीच 42 फीट ऊंचे बिजली के खंभों पर चढ़कर बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने का कार्य करते हैं। ऐसे कर्मठ कर्मचारियों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणादायक पहल है। इस अवसर पर विद्युत वितरण केंद्र बड़ामलहरा के कनिष्ठ अभियंता बी.पी. सिंह ने भावुक होते हुए कहा कि अपने 40 वर्षों के सेवाकाल में पहली बार ऐसा अवसर आया है जब विद्युत विभाग के कर्मचारियों का सार्वजनिक रूप से सम्मान किया गया है। उन्होंने मयंक डेवडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मान से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है और उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है।
कार्यक्रम में मौजूद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज द्वारा उनके कार्यों को पहचान मिलना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। समारोह का वातावरण आत्मीयता और सम्मान से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष राघव राजा, नीरज पौराणिक, नितिन चौधरी, सीताराम मिश्रा, नगर के पत्रकारगण तथा विद्युत विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

3 बच्चों के पिता को साधू बनने का चढा रंग, कुल्हाड़ी से काट डाला गुप्तांग, जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। 3 बच्चों के पिता को साधू बनने का ऐसा रंग चढा. कि उसने ना रहेगा बांस ना बजेगी बांसुरी बाली कहावत को चरितार्थ करते हुए खेत में जाकर कुल्हाड़ी से अपना गुप्तांग काट डाला और खुद ने ही परिजनों को फोन पर सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां ईलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार थाना महाराजपुर के कस्बा बार्ड नं 06 भटीपुरा के रहने वाले 42 वर्षीय राममिलन यादव को शनिवार की सुबह साधू बनने की ऐसी सनक चढ़ी की वह 9 बजे अपने खेत पर गया और साथ में कुल्हाड़ी भी ले गया। खेत पर पहुंचकर उसने कुल्हाड़ी से अपने ही गुप्तांग पर जोरदार प्रहार किया जिससे उसका गुप्तांग कट गया। यह घटना करने के बाद उसने परिजनों को फोन लगाया और परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे, वहां से उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा उपचार शुरू किया गया जब राममिलन यादव से यह पूछा गया कि उसने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया तो उसका कहना था कि अन्जानें में कोई पाप ना हो जाए। अब वह गृहस्थ जीवन से मुक्त होना चाहता है जबकि उसके परिवार में एक पुत्र और दो पुत्रियां है और पत्नी लकवा की बीमारी से ग्रसित है। और 25 जून को एक बेटी का विवाह होना तया हुआ था इस अजीबो गरीब घटना को लेकर तरह तरह की चर्चाऐं हो रही है।

भीमकुंड में मिले शव की हुई पहचान, सागर के ट्रक चालक राजेश यादव निकले मृतक

छतरपुर। बक्सवाहा क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल भीमकुंड में मिले अज्ञात शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान राजेश यादव (36) निवासी रहली, जिला सागर के रूप में हुई है। शव की पहचान होने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व भीमकुंड में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। बक्सवाहा तहसीलदार भरत पांडेय एवं बाजना थाना पुलिस की मौजूदगी में एनडीआरएफ की टीम द्वारा विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद गहरे जल से शव को बाहर निकाला गया था। शव की पहचान नहीं होने के कारण उसे बक्सवाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मर्चुरी में सुरक्षित रखवाया गया था। इस बीच समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन बक्सवाहा पहुंचे और शव की पहचान राजेश यादव के रूप में की। मृतक के बड़े भाई ने बताया कि राजेश यादव पेशे से ट्रक चालक थे और सागर क्षेत्र में वाहन चलाने का कार्य करते थे। उनकी शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। परिजनों के अनुसार उनकी पत्नी की यह दूसरी शादी थी तथा पहली शादी से एक 10-11 वर्षीय पुत्री भी है। मृतक की ससुराल टीकमगढ़ जिले के जतारा क्षेत्र स्थित बारीघाटी गांव में है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं भीमकुंड में हुई इस दुखद घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के लिए अनूठी पहल

अब सप्ताह में एक दिन साइकिल से कोर्ट पहुंचेंगे न्यायाधीश

छतरपुर। जिला न्यायालय छतरपुर के न्यायाधीशों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य संवर्धन और ईंधन की बचत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय एवं प्रेरणादायी पहल की शुरुआत की है। इस पहल के तहत अवकाश अवधि के दौरान उपलब्ध सभी न्यायाधीश अपने घरों से जिला न्यायालय तक साइकिल से पहुंचे।

इस अवसर पर वरिष्ठ न्यायाधीश ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों से ईंधन बचाने की अपील किए जाने के बाद न्यायपालिका ने भी इस दिशा में योगदान देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे पेट्रोल-डीजल की खपत कम होगी और देश की विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। उन्होंने बताया कि यह पहल केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगी। यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो प्रत्येक शनिवार को न्यायाधीश साइकिल से ही न्यायालय पहुंचने का प्रयास करेंगे। वहीं जो न्यायाधीश साइकिल नहीं चला सकते अथवा महिला न्यायाधीश हैं, वे पैदल चलकर या पूल कार का उपयोग कर ईंधन बचत अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगी। वरिष्ठ न्यायाधीश ने बताया कि छात्र जीवन के बाद लंबे समय पश्चात उन्होंने फिर से साइकिल चलाई है। उन्होंने कहा कि यह अनुभव सुखद रहा और समाज को सकारात्मक संदेश देने का एक माध्यम भी बना है । जिला न्यायालय की इस पहल को आम नागरिकों द्वारा भी सराहा जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समाज के जिम्मेदार और उच्च पदों पर आसीन लोग इस प्रकार की पहल करेंगे तो निश्चित रूप से आमजन भी पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत के प्रति जागरूक होंगे। यह कदम स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

पहला पानी छोड़ते ही बह गई बांध की नहर, किसानों ने लगाए घटिया निर्माण के आरोप

छतरपुर। खजुराहो जल संसाधन विभाग के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलैया क्षेत्र में डुंगरिया-पिपरिया बांध से निकली सिंचाई नहर पहली बार पानी छोड़े जाने पर ही क्षतिग्रस्त हो गई। किसानों ने निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि नहर का निर्माण बेहद घटिया गुणवत्ता से किया गया, जिसके कारण पानी का दबाव पड़ते ही कई स्थानों पर नहर टूट गई और सीमेंट-कंक्रीट की परत बह गई। ग्रामीणों के अनुसार डुंगरिया-पिपरिया बांध का निर्माण वर्ष 2020 से 2023 के बीच किया गया था। इसके बाद किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए दो नहरों का निर्माण कराया गया। किसानों का आरोप है कि अगस्त से दिसंबर 2025 के बीच जल्दबाजी में नहर निर्माण कार्य कराया गया, जिससे कई किसानों की खड़ी गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा। प्रभावित किसानों को आज तक मुआवजा भी नहीं मिला है। किसानों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई। नहर निर्माण में सीमेंट की मात्रा कम और रेत व डस्ट का अत्यधिक उपयोग किया गया, जिससे संरचना कमजोर साबित हुई। बांध से पहली बार पानी छोड़े जाने पर कई जगह नहर की दीवारों में दरारें आ गईं और सीमेंट-कंक्रीट की परत उखड़कर बह गई। कुछ स्थानों पर नहर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। नहर टूटने से पानी अंतिम छोर तक पहुंचना तो दूर, आधे रास्ते में ही रिसाव और टूट-फूट के कारण बर्बाद हो रहा है। इससे क्षेत्र के किसानों के सामने सिंचाई का संकट खड़ा हो गया है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते नहर की मरम्मत और पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो आगामी फसलों की सिंचाई गंभीर रूप से प्रभावित होगी।
मामले को लेकर एक दर्जन से अधिक किसानों ने विभागीय अधिकारियों से शिकायत करने के साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई है। बावजूद इसके अब तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके का निरीक्षण करने नहीं पहुंचा। किसानों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा नहर का गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये की परियोजना में लापरवाही और भ्रष्टाचार की जांच कर जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

पटाखे में आग लगाते ही झुलसा मासूम, जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के बाहरपुरा गांव में एक मासूम बालक पटाखे से खेलते समय गंभीर रूप से झुलस गया। जानकारी के अनुसार बाहरपुरा निवासी आकाश पाल पुत्र देवीदीन पाल को खेलते समय कहीं से एक पटाखा मिला था। उत्सुकतावश उसने पटाखे में आग लगा दी, जिसके बाद वह फट गया और आकाश बुरी तरह झुलस गया।

घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। घायल बालक को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल छतरपुर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को देखते हुए बर्न वार्ड में भर्ती कर लिया। अस्पताल में उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार मासूम के शरीर के कई हिस्से झुलस गए हैं, हालांकि उसकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के बाद गांव में भी चिंता का माहौल है। परिजनों ने लोगों से अपील की है कि बच्चों को पटाखों और अन्य विस्फोटक सामग्री से दूर रखें, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हेल्प सेंटर का निरीक्षण

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशानुसार आमजन की विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एसडीएम प्रशांत अग्रवाल एवं तहसीलदार पीयूष दीक्षित ने एमपीईबी कार्यालय परिसर में संचालित हेल्प सेंटर एवं कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बिजली उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों के पंजीयन, उनके निराकरण की प्रक्रिया तथा कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति, बिल संबंधी समस्याओं एवं अन्य तकनीकी शिकायतों के समाधान में तत्परता बरती जाए। निरीक्षण के दौरान हेल्प सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं का भी अवलोकन किया गया और आमजन को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशासन द्वारा विद्युत सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से लगातार निगरानी और समीक्षा की जा रही है।

एनटीपीसी विंध्याचल ने जेम-2026 बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु आयोजित की पेरेंटिंग कार्यशाला

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा 29 मई 2026 को बालिका सशक्तिकरण अभियान 2026 की बालिकाओं के अभिभावकों के लिए एक विशेष पेरेंटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य भावनात्मक जुड़ाव, आत्मविश्वास निर्माण तथा बच्चों के समग्र विकास हेतु सकारात्मक एवं सहयोगात्मक वातावरण के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती अरुणिमा पात्रा, संस्थापक एवं निदेशक, तन्वी कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, रहीं। उन्होंने संवादात्मक एवं प्रेरक सत्र के माध्यम से अभिभावकों को बालिकाओं की प्रतिभा, आकांक्षाओं एवं क्षमताओं को पहचानने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने अभिभावकों को अपनी बेटियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला के दौरान अभिभावकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए तथा विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। यह पहल जेम 2026 की बालिकाओं के समग्र सशक्तीकरण के प्रति एनटीपीसी विंध्याचल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें अभिभावकों को उनकी बेटियों के विकास और सफलता की यात्रा का महत्वपूर्ण भागीदार बनाया गया है।

इस अवसर पर डॉ. देबस्मिता त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (आरएलआई), श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल), श्रीमती मृणालिनी, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री प्रणव वर्मा, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा श्री डेविड देशमुख, कार्यपालक (सीएसआर) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खनिजों के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, खनिज विभाग ने जप्त किए 4 वाहन

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल के कड़े निर्देशानुसार एवं खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में जिले में अवैध उत्खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सहायक खनि अधिकारी रामसुशील चौरसिया के नेतृत्व में आज, दिनांक 30 मई 2026 को प्रातःकाल आकस्मिक जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बिना वैध अभिवहन पास (रॉयल्टी) के अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 66 ए 4891 को जप्त कर सुरक्षार्थ पुलिस थाना माडा में खड़ा कराया गया।
इसी तरह खनिज अमले द्वारा ग्राम जैतपुर से बिना वैध पास के अवैध रूप से बोल्डर का परिवहन करते हुए एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। साथ ही, रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 66 ए 1557 को भी जप्त किया गया। इन दोनों वाहनों को आगामी कार्रवाई के लिए पुलिस चौकी जयंत की सुपुर्दगी में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक बिना नंबर के डंपर को भी जप्त कर थाना नवानगर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।
इस प्रकार खनिज विभाग द्वारा सुबह-सुबह की गई इस त्वरित कार्रवाई में कुल 4 वाहनों को जप्त किया गया है। विभाग द्वारा पकड़े गए सभी वाहनों के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन पर इस तरह की छापामार कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में मछुआ कल्याण समिति की बैठक आयोजित

समिति स्तर पर मत्स्य उत्पादन तथा इससे होने वाली आय में बढ़ोतरी के संबंध में की गई समीक्षा

सिंगरौली। गौरव बैनल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मछुआ कल्याण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करने के पश्चात निर्देश दिए कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योत्पादन नीति के अंतर्गत केज कल्चर निर्माण के साथ-साथ मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना एवं मत्स्य संपदा योजना (धरती आबा) के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुसार हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। वहीं मछुआ समितियों को बैंक केसीसी कार्ड उपलब्ध कराने हेतु मत्स्य एवं वित्त विभाग आपसी समन्वय बनाकर समितियों को आवश्यक क्रेडिट उपलब्ध कराएं। कलेक्टर ने मछली पालन हेतु चिह्नित किए गए जलाशयों एवं तालाबों की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए तालाबों की मरम्मत एवं गहरीकरण कराया जाए। तालाबों के आसपास किए गए अतिक्रमणों को राजस्व विभाग के सहयोग से हटाने की कार्रवाई करें। ऐसे नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के तालाब जो अनुपयोगी हैं, उनका सर्वे कर उन्हें चिह्नित करें। ऐसे तालाब जिनमें मत्स्य पालन हेतु पट्टों की विज्ञप्ति पंचायतों द्वारा जारी नहीं की गई है, उनमें मत्स्य विभाग संबंधित क्षेत्र के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद से संपर्क कर विज्ञप्ति जारी कराए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्र के उपखंड अधिकारी, मत्स्य विभाग तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से समन्वय बनाकर तालाब के पानी के सैंपल लेकर उसकी शुद्धता की जांच कराएं, ताकि मछली उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके।
बैठक में समिति के सदस्यों ने मछली बीज की उपलब्धता में हो रही परेशानियों से कलेक्टर को अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में सीएसआर मद से कृषि विज्ञान केंद्र में 17 लाख रुपये की लागत से हैचरी का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे शीघ्र ही जिले में ही सुगमता के साथ मछली के बीज उपलब्ध हो सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने समिति के सदस्यों को आश्वासन दिया कि सीएसआर के माध्यम से मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए निजी भूमियों में बायोफ्लॉक निर्माण कराए जाने के साथ-साथ समिति द्वारा मछली पालन हेतु उपयोग में लाए जाने वाले तालाबों में उगने वाले अनावश्यक पौधों को हटाने के लिए मशीन उपलब्ध कराई जाएगी।
कलेक्टर ने समिति के सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मछली पालन के साथ-साथ अन्य सहायक कृषि गतिविधियों जैसे बतख पालन आदि से संबंधित समितियों के पास यदि कोई प्रोजेक्ट है तो अवगत कराएं, प्रशासन द्वारा आपका पूरा सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सक्रिय रूप से अच्छा कार्य करने वाली समितियों का अन्य राज्यों में मछली पालन के विषय में जानकारी प्राप्त करने हेतु स्टडी टूर भी कराया जाएगा, ताकि वे मछली उत्पादन की नवीन तकनीकों को सीख सकें। बैठक के दौरान सहायक कलेक्टर सौम्या मिश्रा, उप संचालक (मत्स्य) मनोज अग्रवाल, उपायुक्त सहकारिता पी.के. मिश्रा, डीपीएम मंगलेश्वर सिंह सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में शनिवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया है।जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम नगर (वार्ड नंबर 02, सोरा पहाड़िया) की रहने वाली शमा खातून शनिवार दोपहर करीब 2:00 बजे कोतवाली थाने पहुंची थी। पीड़िता का कहना है कि उसके पिता पप्पू फ़क़ीर की लगभग एक साल पहले संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस मामले में पीड़ित परिवार का आरोप है कि मोहल्ले के ही कुछ दबंग लोगों ने मिलकर उसके पिता की हत्या की थी। इसी सिलसिले में न्याय पाने और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़ित परिवार पिछले कई महीनों से लगातार सिटी कोतवाली थाने के चक्कर काट रहा था। पिता की मौत के सालभर बाद भी कोई ठोस कार्रवाई न होने और पुलिसिया कार्यप्रणाली से आहत होकर युवती ने आज यह खौफनाक और आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश की। जैसे ही युवती ने खुद पर डीजल डाला, थाने में मौजूद पुलिस बल ने उसे दबोच लिया और अनहोनी होने से रोक लिया। पुलिस अब इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और पीड़िता को उचित वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्ति पर अधीक्षण यंत्री को दी गई भावभीनी विदाई

रीवा । कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अनिल कुमार निगम को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि श्री निगम बहुत ही योग्य इंजीनियर और अच्छे प्रशासक हैं। तकनीकी ज्ञान में कुशलता के कारण विभाग में आपका विशेष सम्मान है। आपने रीवा में केवल 11 माह के कार्यकाल में भी अपनी सरलता और कार्यकुशलता से छाप छोड़ी। आपके कार्यों से विभाग और रीवा की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई। कमिश्नर जामोद ने स्मृति चिन्ह, शॉल-श्रीफल और पुष्पहार से श्री निगम का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में श्री निगम ने कहा कि रीवा में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। यहाँ कमिश्नर कार्यालय की साप्ताहिक समीक्षा बैठकों में अन्य विभागों की भी गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी मिली। कार्यक्रम में नवागत अधीक्षण यंत्री श्री पटेल, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, उपायुक्त राजस्व एलएल अहिरवार तथा अन्य अधिकारियों ने भी सेवानिवृत्त श्री निगम के व्यक्तित्व और कार्यों पर प्रकाश डाला तथा शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा एमएस पैकरा, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेटे का शव लेकर जेल पहुंचे परिजन,

अंतिम दर्शन के लिए पिता से मिलाने के लिए 3 घंटे भटके परिजन

रीवा। केंद्रीय जेल रीवा के बाहर शनिवार को एक बेहद मार्मिक और भावुक दृश्य देखने को मिला। एक 20 वर्षीय युवक की मौत के बाद उसके परिजन शव को एंबुलेंस में लेकर केंद्रीय जेल पहुंच गए और जेल में बंद उसके पिता तथा चाचा को अंतिम दर्शन कराने की मांग करने लगे। हालांकि प्रशासनिक प्रक्रियाओं और कानूनी नियमों के चलते पिता और मृत पुत्र के अंतिम मिलन का इंतजार घंटों तक जारी रहा।जानकारी के अनुसार मृतक युवक की पहचान योगी रावत (20) निवासी पुरवा परडिया के रूप में हुई है। बताया गया है कि योगी अपने नाना राम जियावन रावत के यहां सगरा नवागांव में रह रहा था। परिजनों के मुताबिक उसकी अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई, जिससे पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि योगी के पिता शेर बहादुर रावत, चाचा विनोद रावत और राकेश रावत वर्ष 2021 में हुए एक हत्या प्रकरण में केंद्रीय जेल रीवा में निरुद्ध हैं। घटना के बाद से तीनों भाई जेल में बंद हैं। इसी बीच शेर बहादुर रावत के इकलौते पुत्र योगी रावत की असमय मौत हो गई। पुत्र के निधन की सूचना मिलने के बाद परिजन शव को लेकर केंद्रीय जेल पहुंचे और जेल प्रशासन से अनुरोध किया कि मृतक के पिता को बेटे के अंतिम दर्शन की अनुमति दी जाए। परिजनों का कहना था कि एक पिता को अपने पुत्र का अंतिम बार चेहरा देखने का अवसर मिलना चाहिए। इस मांग को लेकर परिवार के सदस्य जेल परिसर के बाहर घंटों तक इंतजार करते रहे। बताया जा रहा है कि जेल प्रशासन ने मामले में कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का हवाला दिया। जेल नियमावली के अनुसार किसी बंदी को विशेष परिस्थितियों में जेल से बाहर ले जाने अथवा इस प्रकार की मुलाकात कराने के लिए सक्षम प्रशासनिक अधिकारी की अनुमति आवश्यक होती है। इसके लिए जिला प्रशासन एवं कलेक्टर स्तर से स्वीकृति प्राप्त करना जरूरी बताया गया।इसी अनुमति को प्राप्त करने के लिए परिवार के कुछ सदस्य कलेक्ट्रेट पहुंचे, जबकि अन्य लोग शव के साथ केंद्रीय जेल के बाहर डटे रहे।

तरणताल का डायविंग पूल कैप्टन बजरंगी प्रसाद के नाम पर होगा : डिप्टी सीएम

मिहिर सेन तरणताल में 54वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खेल समरसता व भाईचारे का संदेश देते हैं। सकारात्मक मानसिकता के साथ किया गया कार्य हमेशा सफल होता है। खेल को खिलाड़ी भावना से खेलना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने रीवा के मिहिरसेन तरणताल में 54वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि तरणताल के डायविंग पूल का नाम कैप्टन बजरंगी प्रसाद के नाम पर होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा को राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता कराने का अवसर मिला है। यहाँ से जीत कर खिलाड़ी मध्यप्रदेश की टीम में शामिल होंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि उदीयमान खिलाड़ी का लक्ष्य लेकर चलें। जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण है खिलाड़ी भावना के साथ खेल में भाग लेना। हार से निराश न हों और कमी को दूर करते हुए सफलता के लिए सतत प्रयत्नशील रहें। उन्होंने कहा कि रीवा वह धरा है जहाँ से निकले कैप्टन बजरंगी प्रसाद को खेल का सर्वोच्च पुरस्कार अर्जुन पुरस्कार तैराकी में ही प्राप्त हुआ। इस तरणताल का निर्माण भी कैप्टन बजरंगी प्रसाद की निगरानी में हुआ और उन्होंने अपने बड़प्पन का परिचय देते हुए इसका नामकरण मिहिर सेन के नाम से किया था। शुक्ल ने कहा कि डायविंग पूल का नाम कैप्टन बजरंगी प्रसाद के नाम से होगा और उनकी उपलब्धियों का शिलालेख भी लगाया जाएगा ताकि नई पीढ़ी उनके योगदान को याद रख सके। श्री शुक्ल ने तरणताल में नए स्प्रिंगबोर्ड लगाए जाने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरणताल में उन्होंने स्वयं भी काफी तैराकी की है। विकास के साथ-साथ इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र की छवि को बेहतर करते हैं। उप मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि इस प्रतियोगिता से नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आएंगी और देश व प्रदेश में अपना नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि रीवा में प्रतियोगिता का आयोजन इस क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा और इससे प्रेरणा लेकर वह अपनी प्रतिभा निखार सकेंगे। श्री मिश्र ने कहा कि कैप्टन बजरंगी प्रसाद के गांव से प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने देश और प्रदेश में अपना नाम रोशन किया था। इससे पूर्व मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा ने बताया कि रीवा में 20 वर्षों के बाद राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। चार दिन तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में 114 इवेंट्स में 18 जिलों के 200 खिलाड़ी तथा उनके साथ 50 आफिशियल्स शामिल हो रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने विजयी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। कार्यक्रम में विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व पार्षद शिवदत्त पाण्डेय, राजगोपाल मिश्रचारी, लालबहादुर सिंह, माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जयराम शुक्ल, पार्षदगण, संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरी सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी तथा खिलाड़ी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट सीधी की सराहनीय पहल मझगवा गांव में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण 102 मरीजों को मिला लाभ

रीवा । अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट बघवार सीधी के सी एस आर मद से मझगवा गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया । सीधी जिले के मझगवां गांव में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण करने गांव के आसपास के लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई । चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे परीक्षा से ग्रामीणों के बीच विशेष उत्साह माहौल बना रहा, चिकित्सा शिविर का आयोजन इकाई प्रमुख विनीत भटनागर , मानव संसाधन विभाग प्रमुख अभिषेक शर्मा एवं प्रशासनिक विभाग प्रमुख दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इस आयोजन में सीएस आर के मैनेजर पार्थ सारथी मंडल और उनकी टीम की सक्रिय भूमिका रही रेड क्रॉस सोसाइटी एवं संजय गांधी अस्पताल रीवा के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने कुल 102 मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श के साथ निशुल्क दवाइयां और स्वास्थ्यवर्धक टानिक का वितरण किया गया शिविर में मझगवा गांव के सरपंच सहित ग्रामीणों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली ग्रामीणों ने अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट सीधी द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की । इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार की पहल गांव के लोगों के लिए बेहद लाभकारी होता है क्योंकि इससे उनके नजदीक में ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा मिल जाती है जिससे समय और संसाधन दोनों की बचत होती है क्षेत्रीय ग्रामीण जनों ने कंपनी के इस कार्य को सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई है ग्रामीणों के अनुसार अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट सीधी का यह कदम न केवल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में ग्राम पंचायत गौरा में सजी जन चौपाल

राजस्व, पंचायत समेत आधा दर्जन विभागों के अधिकारी रहे मौजूद मौके पर ही हुआ 15 लंबित आवेदनों का त्वरित निराकरण

रीवा 1 कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के कुशल दिशा-निर्देशन में आज गुढ़ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गौरा में एक विशाल जन चौपाल का आयोजन किया गया।इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाना और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण करना था।चौपाल में मुख्य रूप से एसडीएम सुधाकर सिंह,नायब तहसीलदार महिमा पाठक, जनपद सीईओ रायपुर कर्चुलियान प्रदीप दुबे, एपीओ गोविंद नारायण श्रीवास्तव एवं उपयंत्री संदीप त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।इसके साथ ही स्थानीय सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन इस चौपाल का हिस्सा बने।

समस्याओं के समाधान के लिए मुस्तैद रहा प्रशासनिक अमला

कलेक्टर के सख्त निर्देशों के पालन में इस जन चौपाल में केवल औपचारिकता नहीं निभाई गई, बल्कि मौके पर ही काम कर दिखाने की भावना दिखी।चौपाल में राजस्व विभाग,पंचायत विभाग, शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग का पूरा अमला मैदानी अमले के साथ मुस्तैद रहा।ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन सीधे जिम्मेदार अधिकारियों को सौंपे।

15 आवेदनों का मौके पर ही हुआ निराकरण

जन चौपाल की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि यहाँ आए आवेदनों पर तत्काल संज्ञान लिया गया।अधिकारियों ने राजस्व मामलों,नामांतरण, बटवारा, पेंशन योजना, राशन पात्रता पर्ची और पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं से जुड़े लगभग 15 लंबित आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर पीड़ित पक्षों को तुरंत राहत प्रदान की।शेष अन्य आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। एसडीएम सुधाकर सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि कलेक्टर महोदय के स्पष्ट निर्देश हैं कि ग्रामीणों को अपनी छोटी-मोटी समस्याओं के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।प्रशासन खुद चलकर आपके द्वार आ रहा है और यह चौपाल इसी कड़ी का हिस्सा है।इस अवसर पर ग्राम पंचायत गौरा के स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन की इस अनूठी पहल की सराहना की और कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी सहित उपस्थित समस्त अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

13 दिन से नहर में लापता युवक की तलाश जारी, दो बार बंद कराई गई नहर फिर भी नहीं मिला सुराग, नहर किनारे मिली थी बाइक और चप्पल

रीवा। शहर के अमहिया थाना क्षेत्र से 13 दिन पूर्व लापता हुए युवक का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। युवक की तलाश में पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लगातार सिलपरा नहर में सर्च ऑपरेशन चला रही है। इस दौरान दो बार नहर का पानी भी बंद कराया गया, लेकिन युवक का कहीं कोई पता नहीं चला। ऐसे में यह मामला अब एक सामान्य गुमशुदगी से आगे बढ़कर रहस्यमय घटनाक्रम का रूप लेता जा रहा है। जानकारी के अनुसार अमहिया थाना क्षेत्र के धोबिया टंकी निवासी अरुण विश्वकर्मा 18 मई से लापता हैं। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट अमहिया थाने में दर्ज कराई थी। युवक के अचानक गायब होने के बाद परिवार और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।बताया गया है कि युवक के लापता होने के करीब दो दिन बाद उसकी बाइक और चप्पल बिछिया थाना क्षेत्र स्थित सिलपरा नहर के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिली थी। बाइक और चप्पल मिलने के बाद परिजनों ने आशंका जताई कि अरुण नहर में गिर गया होगा या किसी दुर्घटना का शिकार हो गया होगा। इसी आधार पर पुलिस ने नहर में व्यापक स्तर पर सर्च अभियान शुरू कराया। युवक की तलाश के लिए पुलिस ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को भी लगाया है। बीते 13 दिनों से नहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार खोजबीन की जा रही है। खोज अभियान को प्रभावी बनाने के लिए दो बार नहर का पानी भी बंद कराया गया, ताकि तलहटी और आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से जांच की जा सके। हालांकि इतने लंबे अभियान और संसाधनों के उपयोग के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं मिलना पुलिस के लिए भी चुनौती बना हुआ है। न तो नहर से कोई शव बरामद हुआ है और न ही ऐसा कोई अन्य साक्ष्य मिला है जिससे यह पुष्टि हो सके कि युवक वास्तव में नहर में डूबा था। मामले को और अधिक रहस्यमय इस बात ने बना दिया है कि युवक की बाइक और चप्पल तो नहर किनारे मिल गई, लेकिन उसके बाद उससे जुड़ा कोई अन्य प्रमाण नहीं मिला। इधर 13 दिनों से बेटे के लापता होने से परिजन गहरे सदमे और चिंता में हैं। परिवार लगातार पुलिस से युवक का पता लगाने की मांग कर रहा है। परिजनों का कहना है कि अरुण के अचानक गायब होने और फिर नहर किनारे बाइक-चप्पल मिलने से पूरा परिवार असमंजस में है।

बैकुंठपुर थाना पुलिस ने शातिर ठग पंकज चतुर्वेदी उर्फ मोंटी को किया गिरफ्तार

रीवा । बैकुंठपुर थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना एवं लाडली बहना योजना सहित अन्य मामलों मे ठगी करने वाले शातिर बदमाश पंकज चतुर्वेदी उर्फ मोंटी जो लम्बे समय से फरार चल रहा था पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा है,बैकुंठपुर थाना पुलिस ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना एवं लाडली बहना योजना सहित अन्य कुछ ठगी मामले में फरार आरोपी पंकज चतुर्वेदी उर्फ मोंटी निवासी सलैया को दिनांक 29/05/2026 को बैकुंठपुर थाना प्रभारी श्रृंगेश सिंह राजपूत के नेतृत्व में उनकी टीम ने 2 वर्ष से फरार चल रहे शातिर ठग को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है,पुलिस ने बताया कि शातिर ठग पंकज चतुर्वेदी उर्फ मोंटी ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं लाडली बहना योजना के नाम पर ग्राम सलैया की महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर लगभग डेढ़ लाख की ठगी की थी, जिसके विरुद्ध पीढ़िति ने बैकुंठपुर थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराई थी,बताया गया है कि आरोपी पंकज चतुर्वेदी उर्फ मोंटी जिसके नाम से पूर्व से भी 6 मामले बैकुंठपुर थाने में पंजीबद्ध है, आरोपी फरार होकर मद्रास चेन्नई तरफ अपनी फरारी काट रहा था,बैकुंठपुर थाना प्रभारी श्रृंगेश सिंह राजपूत को जैसे ही मुखबिर से यह पता चला कि वह गांव में घूम रहा है तो तत्काल थाना प्रभारी बैकुंठपुर ने एक टीम बनाई और शातिर ठग पंकज चतुर्वेदी उर्फ मोंटी को पुलिस ने धर दबोचने मे बड़ी सफलता प्राप्त की है,वही ग्राम सलैया के लोगों को यह ख़बर जैसे ही लगी कि शातिर ठग पंकज चतुर्वेदी उर्फ मोंटी पुलिस की गिरफ्त में आ गया है, ग्रामीणों ने बैकुंठपुर थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम की सराहना की है,

बैकुंठपुर थाना प्रभारी श्रृंगेश सिंह राजपूत का सख्त संदेश..

अपराधी थाना क्षेत्र मे अपराध करना छोड़ दें, नहीं तो बख्शे नहीं जाएंगे,

उक्त कार्यवाही मे सराहनीय भूमिका...

बैकुंठपुर थाना प्रभारी निरीक्षक श्रृंगेश सिंह राजपूत, **ASI** मनोज बागरी, **HC** अश्वनी शुक्ला, सतेंद्र पांडे, आरक्षक आशुतोष मिश्रा, शशांक यादव, अजय बागरी।

लायंस क्लब इंटरनेशनल बहुप्रांतीय सम्मेलन इंदौर में अतुल जैन हुए सम्मानित पीड़ित मानव सेवा के लिए मिला सर्वश्रेष्ठ सम्मान

रीवा। लायंस क्लब इंटरनेशनल एवं बहुप्रांतीय (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान) सम्मेलन इंदौर में अतुल जैन ग्लोबल मेंबरशिप टीम कोऑर्डिनेटर प्रांत 3233-C को पीड़ित मानव सेवा एवं बहुप्रांत (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान) में सर्वाधिक सदस्यता वृद्धि के लिए बहुप्रांतीय अध्यक्ष लायन मनीष शाह, लायन सुधीर जैन (कोषाध्यक्ष), लायन सुमेर जैन (पूर्व प्रांतपाल) जयपुर ने सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल मेंबरशिप टीम कोऑर्डिनेटर के सम्मान से सम्मानित किया। लायंस क्लब इंटरनेशनल मल्टीप्ल डिस्ट्रिक्ट 3233 (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान) बहुप्रांतीय सम्मेलन इंदौर में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि लायंस इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष लायन डॉ मनोज शाह (केन्या) अध्यक्षता लायन मनीष शाह प्रांतीय अध्यक्ष व विशिष्ट अतिथि लायन कमलेश जैन पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष व लायन व्ही. के. लड़िया, राजू मनमानी पूर्व अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर ने एमजेएफ लायन अतुल जैन ग्लोबल मेंबरशिप टीम कोऑर्डिनेटर को पीड़ित मानव सेवा एवं बहुप्रांत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में लायंस क्लब में सर्वाधिक सदस्य जोड़ने पर सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल मेंबरशिप टीम कोऑर्डिनेटर का सम्मान प्रदान किया। लायन अतुल जैन ने बस्ती के बच्चों के उत्थान, दृष्टि प्रथम के तहत नेत्र ज्योति प्रदान करने व पीड़ित मानव सेवा की दिशा में विशेष कार्य करने के साथ-साथ लायंस इंटरनेशनल में 1000 से अधिक नये सदस्य जोड़े हैं व एक वर्ष पूर्ण किए नए सदस्यों का 100% रिटेंशन करके भी एक रिकॉर्ड कायम किया है, महिला सदस्यता वृद्धि हेतु भी विशेष उपलब्धि रही है। लायन अतुल जैन को अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष लायन ऐ.पी. सिंह के मिशन 1.5 पन्द्रह लाख सदस्य बनाने व प्रत्येक लायन सदस्य एक नया सदस्य बनाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्लेज, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सर्टिफिकेट व प्रांतपाल के मेडल व सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है।लायन अतुल जैन के 34 वर्ष से निरंतर लायनवाद में पीड़ित मानव सेवा के लिए उत्कृष्ट कार्य करने के लिए माइल स्टोन शेवरान मोनार्च के सम्मान से भी अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया है साथ ही ऑल इंडिया सम्मिट चेन्नई व रीजनल लीडरशिप इंस्टीट्यूट रायपुर व केबिनेट मीटिंग दुर्ग में सम्मानित किया गया। लायन जैन को लायंस क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन को स्थायी सेवा कार्यों के संपादन के लिए विशेष अनुदान दिलाने पर अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष फैब्रिकियो ओलिविएरा ने अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेसिडेंशियल मेडल प्रदान किया गया।

स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु अभियान एक से पाँच जून तक

रीवा । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देने के लिए जिले भर में एक से पाँच जून तक स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में जन भागीदारी तथा जनजागरूकता को सुनिश्चित करना है। इस संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों के साथ अभियान के दौरान प्रत्येक गांव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों का मूल्यांकन किया जाएगा। गांव में सम्पूर्ण स्वच्छता एवं ओडीएफ प्लस माडल की अवधारणा के अनुरूप परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, उचित संचालन एवं रखखाव के लिए जन समुदाय को प्रेरित किया जाएगा। अभियान में एक से पाँच जून तक प्रतिदिन अलग-अलग विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के पूरा होने के बाद पाँच जून को ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन करके अभियान की उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी।

मऊगंज में 120 शीशी नशीली कफ सिरप के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

मऊगंज। थाना पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम पतियारी मोड़ के पास से 120 शीशी नशीली कफ सिरप जब्त की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई जिला मुख्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से नशीली कफ सिरप की सप्लाई की जा रही है, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश दी और बड़ी मात्रा में कफ सिरप बरामद की।गौरतलब है कि नवागत पुलिस अधीक्षक के जिले की कमान संभालने के बाद नशे के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इससे पहले लौर थाना क्षेत्र में भी नशीली कफ सिरप को लेकर पुलिस ने कार्रवाई की थी। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से यह संकेत मिल रहे हैं कि जिला पुलिस अब नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाने लगी है।हालांकि क्षेत्रीय जनता का मानना है कि अभी भी जिले के ग्रामीण अंचलों में बड़े स्तर पर अवैध शराब, गांजा और नशीली कफ सिरप का कारोबार जारी है। ग्रामीणों के अनुसार जिले के लगभग हर तीसरे गांव तक नशे का जाल फैल चुका है, जिससे सबसे अधिक प्रभावित युवा पीढ़ी हो रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई नवयुवक इस अवैध कारोबार में रोजगार का साधन तलाशने लगे हैं, जो सामाजिक दृष्टि से बेहद चिंताजनक स्थिति है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण गांवों का माहौल भी प्रभावित हो रहा है और अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी की आशंका बनी रहती है।जनता को नवागत पुलिस अधीक्षक से बड़ी उम्मीदें हैं। लोगों का कहना है कि शहरों तक सीमित कार्रवाई के बजाय अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगातार अभियान चलाकर अवैध शराब, गांजा और नशीली दवाओं के नेटवर्क को तोड़ने की आवश्यकता है। यदि पुलिस प्रशासन इसी तरह सक्रिय रहा तो आने वाले समय में जिले में नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

हनुमना तहसील में भ्रष्टाचार के आरोप, किसान की 5 एकड़ जमीन दूसरे के नाम दर्ज होने से मचा

मऊगंज जिले की हनुमना तहसील इन दिनों भ्रष्टाचार और राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवालों के घेरे में दिखाई दे रही है। किसानों का आरोप है कि राजस्व विभाग में भारी अनियमितताएं हो रही हैं, जहां जमीनों के रिकॉर्ड में कुछ पटवारी के द्वारा छेड़छाड़ कर किसानों को परेशान किया जा रहा है।

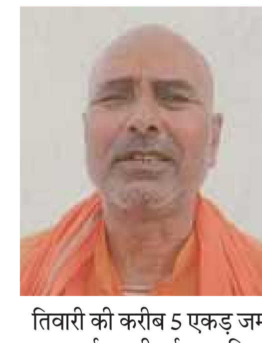

आरोप यह भी है कि पटवारी और राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों से मोटी रकम वसूली जा रही है, जबकि आम किसान न्याय पाने के लिए कड़ी धूप में कोर्ट और तहसील के चक्कर काटने को मजबूर हैं।इसी बीच हनुमना तहसील अंतर्गत दुगोली पटवारी हल्का से एक गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पटवारी द्वारा किसान उमाशंकर तिवारी की करीब 5 एकड़ जमीन दूसरे व्यक्ति के नाम दर्ज कर दी गई। जब किसान को इस गड़बड़ी की जानकारी हुई तो उसके होश उड़ गए। पीड़ित किसान अब अपनी ही जमीन वापस पाने के लिए बीते कई महीनों से तहसील और कोर्ट के चक्कर लगाने को मजबूर है।किसान का कहना है कि उसने कई बार संबंधित पटवारी और राजस्व अधिकारियों से शिकायत की है लेकिन पटवारी के द्वारा गोल- मोल जवाब दिया जाता रहा यहां तक की पटवारी प्रतिवेदन देने के लिए पटवारी ने 3 महीने से किसान और राजस्व अधिकारी को चकमा देने से पीछे नहीं हट रही, वही किसान का कहना है कि अब तक मामले में कोई सुधार नहीं किया गया। आरोप है कि लगभग 6 महीने बीत जाने के बाद भी रिकॉर्ड दुरुस्त नहीं किया गया, जिससे किसान मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान है।अब इस पूरे मामले को लेकर कई बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर किस आदेश, किस प्रकरण क्रमांक और किस आधार पर किसान की जमीन दूसरे के नाम दर्ज की गई? यदि यह केवल तकनीकी गलती थी, तो अब तक उसका सुधार क्यों नहीं किया गया? आखिर क्यों एक किसान को अपनी ही जमीन के लिए दर-दर भटकने पर मजबूर होना पड़ रहा है।